धूमा में निजी भूमि पर अवैध उत्खनन व कब्जे के आरोप

सिवनी/धूमा नवभारत। सिवनी जिले की लखनादौन तहसील अंतर्गत धूमा क्षेत्र इन दिनों निजी भूमि पर कथित अवैध उत्खनन, अतिक्रमण और प्रशासनिक कार्रवाई में हो रही देरी को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। यादव परिवार और चौकसे परिवार ने होटल व्यवसाय से जुड़े संतोष शिवहरे पर उनकी निजी भूमि पर अवैध उत्खनन करने, भूमि के कुछ हिस्से पर कब्जा करने तथा भूमि की प्राकृतिक स्थिति को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए हैं शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस मामले की शिकायत कई वर्षों से राजस्व, खनिज एवं अन्य संबंधित विभागों से की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से उन्हें न्याय नहीं मिल सका है।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार, विवादित भूमि उनकी निजी स्वामित्व की भूमि है, जहां बिना अनुमति मिट्टी एवं अन्य खनिज सामग्री का उत्खनन किया गया। उनका आरोप है कि इस उत्खनन से भूमि की उपयोगिता प्रभावित हुई है और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। उनका कहना है कि कई बार अधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए गए, जांच की मांग की गई, लेकिन कार्रवाई कागजों तक ही सीमित रही।

अब देखना यह होगा कि राजस्व विभाग की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद खनिज विभाग इस बहुचर्चित मामले में क्या निर्णय लेता है और क्या वर्षों से चले आ रहे इस विवाद का निष्पक्ष समाधान निकल पाता है।

वर्षों से न्याय की आस में है शिकायतकर्ता : अब खनिज विभाग की कार्रवाई पर टिकी ग्रामीणों की निगाहें

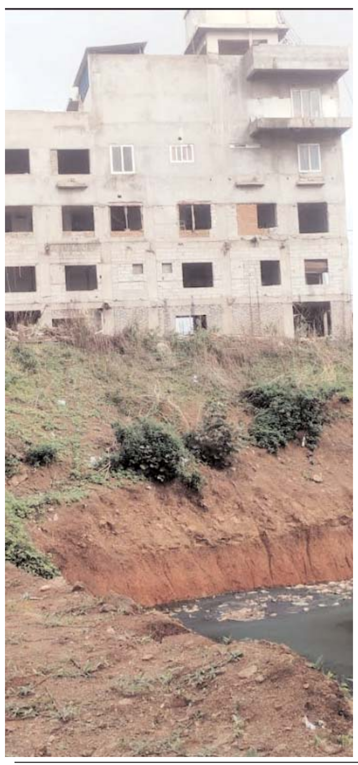

विवादित भूमि के समीप कराया गया है होटल निर्माण, बहता है गंदा पानी

मामले का एक और गंभीर पहलू खेती से जुड़ा हुआ है। चौकसे परिवार का कहना है कि विवादित भूमि के समीप होटल निर्माण कराया गया है और होटल से निकलने वाले गंदे पानी के उनके खेत तक पहुंचने की आशंका है। इसी कारण उन्होंने इस वर्ष अपनी कृषि भूमि पर खेती नहीं करने का निर्णय लिया है। परिवार का कहना है कि यदि दूषित पानी खेत में पहुंचता है तो फसल के साथ-साथ भूमि की उर्वरता भी प्रभावित हो सकती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि मामले में प्रभावशाली लोगों का संरक्षण होने के कारण वर्षों से कार्रवाई लंबित है। उनका कहना है कि राजनीतिक प्रभाव और आर्थिक शक्ति के चलते उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, शिकायत प्राप्त होने के बाद राजस्व विभाग ने मौके का निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन तैयार किया है, जिसे आवश्यक कार्रवाई के लिए खनिज विभाग को भेज दिया गया है। अब पूरे मामले में आगे की कार्रवाई खनिज विभाग के स्तर पर की जानी है। यदि जांच में अवैध उत्खनन की पुष्टि होती है तो संबंधित नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है।

संतोष शिवहरे ने आरोपों को बताया निराधार

इस संबंध में होटल व्यवसायी संतोष शिवहरे ने अपना पक्ष रखते हुए सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उनके विरुद्ध की गई शिकायत पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर जांच कराई जाती है तो वह उसका पूरा सहयोग करेंगे और निष्पक्ष जांच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनका कहना है कि सत्य सामने आने पर सभी आरोप स्वतः स्पष्ट हो जाएंगे। इधर क्षेत्र के लोगों का मानना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होना आवश्यक है, ताकि शिकायतकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों और संबंधित पक्ष के दावों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। शिकायतकर्ता परिवारों ने जिला प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, वहीं संतोष शिवहरे ने भी निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए जांच में पूर्ण सहयोग देने की बात कही है।

इनका कहना है

इस मामले में मेरे द्वारा 2016 से शिकायत की गई है अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है और मेरी जमीन पर अवैध उत्खनन किया गया है साथ में कब्जा भी किया गया है इस पर निष्पक्ष जांच की मांग चाहता हूं

अनिल कुमार चौकसे धूमा
कृषक व जमीन मालिक

रातों-रात मोरम खुदवा कर भेज दिया गया है मेरी जमीन के किनारे से अदर फोन किया गया है मेरे द्वारा सभी अधिकारियों को शिकायत भी की गई है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है

मनोज कुमार यादव धूमा
कृषक एवं शिकायतकर्ता

मेरे द्वारा ऐसा कोई काम नहीं किया गया है अगर किया गया है तो निष्पक्ष जांच की जाए

संतोष शिवहरे होटल संचालक धूमा

आटो और बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर आटो पलटी 1 मृत 5 घायल

छपारा नवभारत। 21 जुलाई दिन मंगलवार को नगर से 8 किलोमीटर दूर ग्राम सुखामाल और ग्राम देवगांव के बीच क्रेशर के समीप सड़क पर एक भीषण सड़क दुर्घटना घटित हुई जिसमें छपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं एक स्कूली छात्रा सहित कुल 5 लोगों को चोटें आई जिसमें 63 वर्षीय भंवरलाल उईके को पैर में गंभीर चोट के चलते जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया मिली जानकारी के अनुसार छपारा नगर से एक आटो ग्राम घुनई होते हुए चमारी खुर्द की ओर जा रहा था कि दोपहर लगभग 3 बजे ग्राम मुंडरई सुखामाल के समीप मार्ग पर क्रेशर के पास सड़क पर सामने से एक बाइक सवार और आटो अनियंत्रित होकर टकरा गए जिसमें भंवरलाल उईके पिता बालचंद उईके 63 वर्ष ग्राम सुखामाल निवासी, सुरेश यादव पिता दयाराम यादव 24 वर्ष ग्राम इमलीपठार निवासी, सुरेश यादव अंधियारी , कुमारी सीता झारिया सुरेश यादव घायल हुए जिन्हें सूचना पर डायल 112 छपारा वाहन एक मौके पर उपस्थित जनों ने छपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान राजकुमार सल्लाम पिता प्रेम लाल सल्लाम 34 वर्ष इमली पठार बंजर निवासी की इस दुर्घटना में मौत हो गई वहीं पूरे मामले पर छपारा पुलिस द्वारा जांच एवं कार्यवाही की जा रही है। वहीं भंवरलाल उईके को 108 ने जिला सिवनी चिकित्सालय पहुंचाया और सुरेश यादव को निजी वाहन से जिला चिकित्सालय रवाना किया गया।

एक नजर में

बरघाट में 25 को निकलेगी इस्कॉन की जगन्नाथ यात्रा

बरघाट। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन)बरघाट के पदाधिकारी के द्वारा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इमरता साहू जी से सौजन्य भेंटकर आगामी 25 जुलाई दिन शनिवार को निकालने वाली श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण दिया। साथ ही गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को भी निमंत्रण दिया गया। जानकारी देते हुए इस्कॉन समिति के संस्कार पटले ने बताया कि आगामी 25 जुलाई दिन शनिवार के दिन दोपहर 1:00 बजे से बरघाट नगर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आगमन हो रहा है, जो वार्ड क्रमांक 11 स्थित हनुमान मंदिर गुरुकुल स्कूल के सामने से नगर भ्रमण के लिए निकलेगी। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा नगर के मध्य मार्ग से होकर पटेल टोला स्थित सदगुरु शिवालय मंदिर पर इसका समापन होगा, संस्कार पटले ने बताया कि रथ यात्रा के साथ-साथ ही प्रसाद वितरण किया जाएगा।

नशे से दूरी का दिया संदेश

सिवनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी में ''नशे से दूरी है जरूरी 2.0'' अभियान के अंतर्गत नशा उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सरवैया के संरक्षण में एवं कार्यक्रम प्रभारी प्रो. रामदीन भलावी के मार्गदर्शन में किया गया। जिसके अंतर्गत नशे के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु निबंध, स्लोगन, पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में महाविद्यालय की बहुत सी छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान कु. जयंती पटेल एम.ए. अर्थशास्त्र, द्वितीय स्थान- सुमन सनोडिया, बी.एस.सी प्रथम वर्ष एवं भूमिका विश्वकर्मा बी.एस.सी प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान कु. शालिनी भलावी बी.एस.सी द्वितीय वर्ष, कु. वंशिका नामदेव बी.एस.सी प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया।

महिलाओं को दिया गया हस्तकला का प्रशिक्षण

सिवनी नवभारत। संकल्प -स्किल एंड डिजिटल एजुकेशन सेंटर द्वारा आयोजित तोरण निर्माण कार्यशाला ग्रामीण महिलाओं को पारंपरिक हस्तकला का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कर रही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं त्योहारों के अवसर पर तोरण बनाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकती हैं और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। कार्यशाला के लिए आयोजित जागरूकता अभियान को ग्रामीण महिलाओं का उत्साहजनक समर्थन मिला, जो उनकी आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनने की बढ़ती इच्छा को दर्शाता है। संकल्प संस्थान का उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने परिवार और समाज के विकास में प्रभावी योगदान दे सकें।

घुड़वारा आरोग्य केंद्र में एएनएम की अनुपस्थिति से स्वास्थ्य सेवाएँ प्रभावित होने का आरोप

सिवनी नवभारत। घुड़वारा स्थित आरोग्य केंद्र में पदस्थ एएनएम सरिता पोटार के संबंध में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि संबंधित हरू केंद्र में आकर उपस्थिति दर्ज करती हैं, लेकिन उसके बाद ड्यूटी स्थल पर नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहतीं और डुंगरिया चली जाती हैं। इससे आरोग्य केंद्र में आने वाले मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं मिल पातीं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार मरीज उपचार, टीकाकरण, प्रसव पूर्व जांच तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केंद्र पहुँचते हैं, लेकिन संबंधित कर्मचारी के अनुपस्थित रहने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है या दूसरे स्वास्थ्य केंद्र का रुख करना पड़ता है। इससे लोगों को अतिरिक्त समय और आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो संबंधित नियमों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाए ।

अंजनिया ग्राम के ग्रामीणों की शिकायत सचिव नहीं आते जनसुनवाई में

महिला सरपंच सहित ग्राम की महिलाओं ने सचिव को हटाने की मांग

छपारा नवभारत। जनपद पंचायत छपारा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अंजनिया में पदस्थ सचिव कुम्मीलाल भलावी की कार्य प्रणाली को लेकर महिला सरपंच सहित गांव की अन्य महिलाओं में जमकर आक्रोश है, विदित हो कि प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई को लेकर कलेक्टर के द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं किंतु 21 जुलाई को मंगलवार के दिन पंचायत सचिव जनसुनवाई कार्यक्रम में नहीं पहुंचे जिसको लेकर महिलाओं का गुस्सा फूट गया और उन्होंने जमकर हंगामा किया और वहीं ग्राम की सरपंच रंजनी उईके ने ग्राम वासियों सहित सचिव को हटाने की मांग की है. वहीं उन्होंने बताया कि गांव में अनेकों समस्याएं जिसका समाधान जन सुनवाई के माध्यम से कर सकते है. ग्रामीण महिलाओं को जाति प्रमाण सहित कई अन्य प्रमाण पत्र में सचिव के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है जिस वजह से छोटे-छोटे कामों को लेकर भी ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है जिसके चलते ग्रामीण सचिव की कार्य प्रणाली से त्रस्त हो चुके हैं पूर्व में भी कई बार सचिव को हटाने की मांग की जा चुकी है किंतु जिला पंचायत में बैठे अधिकारियों के कारण सचिव पर कोई कार्रवाई नहीं होती फिलहाल एक बार फिर ग्राम पंचायत की महिलाओं ने सचिव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

इनका कहना है

यदि ग्राम पंचायत के सचिव जनसुनवाई कार्यक्रम में नहीं पहुंचा और जनसुनवाई में ग्रामीणों को परेशान होना पड़ा जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रविंद्र मीणा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छपारा

शासकीय स्कूल में बने सायकल स्टैंड में लाखों का भ्रष्टाचार,विधायक श्री उइके ने विधानसभा में उठाया मुद्दा

विधायक द्वारा सरकार से जवाब मांग, दोषियों पर कार्यवाही की मांग की

नवभारत न्यूज,
पांढुरना,21 जुलाई, पांढुरना के विभिन्न ग्रामों के 20 शासकीय स्कूलों में बनें साइकिल स्टैंड़ का निर्माण कार्य अत्यंत गुणवत्ताहीन तथा इसमें लाखों रूपए का भ्रष्टाचार होने के मुद्दे को लेकर क्षेत्रीय विधायक नीलेश उइके द्वारा इसे विधानसभा के मॉनसून सत्र में उठाते हुए सरकार का इस और ध्यान आकृष्ट कराते हुए इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है।

प्रदेश मुख्यालय भोपाल के विधानसभा में जारी मानसून सत्र के दौरान क्षेत्रीय विधायक नीलेश उईके द्वारा सरकार का ध्यान आकर्षण कराते हुए बताया कि पांढुरना विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के शासकीय स्कूल में बनाए गए साइकिल स्टैंड की गुणवंता अत्यंत निम्न क्वालिटी की होने तथा इस साइकिल स्टैंड के निर्माण में लाखों रूपए का भ्रष्टाचार होने के गंभीर आरोप लगाते हुए विधायक श्री उइके द्वारा प्रदेश के शिक्षा मंत्री से इस मामले में जवाब मांगते हुए सरकार से इसकी पूरी जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाहीं की मांग की है।

विधायक नीलेश उइके द्वारा हमारे प्रतिनिधि से दुरभाष पर इस संदर्भ में बात करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं इन सभी स्कूलों का दौरा कर इन सायकिल स्टैंड को देखा है,जिसकी लागत चार से पाच लाख रूपयों से अधिक की नहीं है,लेकिन इसके बावजूद विभाग के अधिकारियों द्वारा आंखे बंद कर लाखों रूपयों को भुगतान करा दिया गया है,जिसमें निश्चित रूप से भारी भ्रष्टाचार होने होने की बात उन्होंने कहते हुए सरकार से इस मामले में जांच करा दोषियों को वे सजा दिलाने के मांग को लेकर उन्होंने विधानसभा में प्रश्न उठा शिक्षा मंत्री से जवाब मांगा है।

इन स्कूलों में बनाए सायकल स्टैंड

विभागीय सूत्रों की माने तो पांढुरना विकासखंड़ के ग्राम काराघाट कामठी, नांदनवाडी, पाठई, अंबाडा, लेंडोरी,मांगुरली ,मारूड, कामठीकला, मोरडोंगरी, बडचिचोली,खेडीकला,तिगांव, बनगांव, राजना भूली हिवरा सेनाडवार धनोरा ,राजडोंगरी,नरसला एवं पलासपानी के शासकीय स्कूल में बनाए गए है।

इनका कहना है.....

वहीं इस मामले में प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री एच.बी.हांडे द्वारा बताया कि पांढुरना के कुल 20 स्कूल में इसी सत्र में उन्होंने इस सायकील स्टैंड का निर्माण कराया है,यह पूरी प्रक्रिया लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से ही हुई है,हां इन साइकिल स्टैंड के निर्माण के बाद प्रत्येक का बिल 7 लाख 80 रूपए के दर से की गई है। श्री हांडे ने कहा कि यह पूरा प्रक्रिया उच्च स्तर पर ही हुई है, इसलिए इस संदर्भ में उन्हें कोई अधिक जानकारी नहीं है।

भोगाखेड़ा हाई स्कूल में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण छात्राओं का

सिवनी नवभारत। विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से शासकीय हाई स्कूल भोगा खेड़ा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया इस दौरान चिकित्सकों की पहुंची टीम द्वारा उपस्थित छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया साथ ही उन्हें सलाह दी गई की वह अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे अगर आप स्वस्थ रहेंगे तो आपका मन पढ़ाई में लगा रहेगा

स्वास्थ्य केंद्र में छत का प्लास्टर गिरा

सिवनी नवभारत। जिले के कान्हीवाड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के जनरल वार्ड में मंगलवार सुबह छत का प्लास्टर अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के समय वार्ड में मरीज और उनके परिजन मौजूद थे। हालांकि, मलबा किसी पर नहीं गिरा, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, प्लास्टर गिरते ही तेज आवाज हुई, जिससे वार्ड में मौजूद मरीज और परिजन घबरा गए। सभी सुरक्षित स्थान की ओर भागे। लोगों का कहना है कि यदि मलबा किसी मरीज पर गिरता तो हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल भवन के रखरखाव को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले साल लाखों रुपए की लागत से भवन का मेंटेनेंस और मरम्मत का काम कराया गया था। इसके बावजूद छत का प्लास्टर गिरने से काम की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दलदल में तब्दील हुई सड़क,आवागमन में होती है परेशानी

छपारा नवभारत। विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत तेंदानी के ग्राम बड़वानी से गणेश टोला जाने वाली सड़क दलदल में तब्दील हो गई जिससे उक्त सड़क से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है।

ज्ञात हो कि जनपद पंचायत छपारा अंतर्गत उप तहसील चमारी क्षेत्र की ग्राम पंचायत तेंदनी में बरसात के दौरान गांव के आसपास की सड़कें कीचड़ और जलभराव की चपेट में हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत क्षेत्र की आंतरिक सड़कों की लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को हो रही है, जिन्हें प्रतिदिन कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदनी ग्राम से गणेश टोला जाने वाले मार्ग की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है विगत दिनों उक्त सड़क पर पंचायत के जिम्मेदारो के द्वारा मुरम और गिट्टी के चूरा की जगह नाले से निकला हुआ कीचड़ युक्त मिट्टी और काली रेत डाली गई जिससे उक्त मार्ग की हालत और बदतर हो गई और सड़क से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया

स्थानीय पंचायत में कई बार ग्रामीणों द्वारा शिकायत के बाद भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत में जनसमस्याओं के समाधान पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत क्षेत्र के पवन सिंह,दिलीप सिंह, राहुल, विनोद, दुर्वेश, ब्रजराम, बसंत, व्हिरूप सिंह, हीरालाल, राजकुमार ठाकुर, कैलाश ठाकुर, इमरान खान आदि अन्य ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान सरपंच व सचिव के कार्यकाल में सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं हो रहा है, जबकि बरसात में इनका तत्काल समाधान किया जाना आवश्यक है

विरोध — कार्यक्रम कैंपस हो या सड़क में पर होगा ज़रूर- एनएसयूआई,युवा कांग्रेस

छात्रों की आवाज़ दबाने का प्रयास बर्दाश्त नहीं होगा : युवा कांग्रेस

सिवनी नवभारत। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, सिवनी के ऑडिटोरियम में 22 जुलाई को आयोजित होने वाले छात्र गूंज कार्यक्रम की पूर्व में प्रदान की गई अनुमति कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले निरस्त किए जाने पर एनएसयूआई ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। एनएसयूआई ज़िला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि यदि किसी कार्यक्रम की अनुमति सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी होने के बाद दी जाती है, तो उसे अंतिम समय में बिना स्पष्ट एवं उचित कारण बताए निरस्त करना न केवल छात्रों के साथ अन्याय है, बल्कि उनकी लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के अधिकारों पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

उन्होंने कॉलेज प्रशासन से सवाल किया कि क्या कॉलेज का ऑडिटोरियम सभी छात्रों और छात्र संगठनों के लिए समान रूप से उपलब्ध है, या केवल एक विशेष विचारधारा अथवा राजनीतिक दल से जुड़े कार्यक्रमों के लिए? यदि कॉलेज परिसर में अन्य छात्र संगठनों को कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, तो यह समान अवसर और निष्पक्षता की भावना के विपरीत होगा।

एनएसयूआई का कहना है कि उन्हें जानकारी मिली है कि अनुमति निरस्त कराने के संबंध में बाहरी दबाव की भूमिका रही है। यदि ऐसा है, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। संगठन जिला प्रशासन से पूरे मामले की पारदर्शी जांच कर तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग करता है।

एनएसयूआई ने यह भी कहा कि एबीवीपी द्वारा कॉलेज परिसर में समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं और संगठन ने कभी भी उनके कार्यक्रमों का विरोध नहीं किया, क्योंकि कॉलेज परिसर छात्रों के वैचारिक संवाद, लोकतांत्रिक गतिविधियों और छात्र हितों से जुड़े कार्यक्रमों का स्वाभाविक मंच है। यदि किसी एक छात्र संगठन के कार्यक्रम को अंतिम समय में निरस्त किया जाता है, तो इससे एक ऐसी परंपरा की शुरुआत होगी जो भविष्य में लोकतांत्रिक वातावरण को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि वे 22 जुलाई 2026 को दोपहर 12:00 बजे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस (पीजी कॉलेज), सिवनी में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचें और शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों की आवाज़ बुलंद करें।

छात्रों को मिले अधिकार

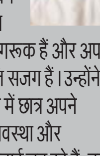

धनंजय सिंह ने कहा कि छात्र गूंज केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छात्रों की समस्याओं, शिक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और छात्र अधिकारों की आवाज़ है। इस आवाज़ को प्रशासनिक निर्णयों या दबाव के माध्यम से दबाया नहीं जा सकता। छात्र जागरूक हैं और अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। उन्होंने कहा कि जब देश में छात्र अपने भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और पारदर्शिता की लड़ाई लड़ रहे हैं, तब हर छात्र का यह दायित्व है कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों और छात्र अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आए।

पेज तीन के शेष

राहुल को उठा ले गई पुलिस

इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले राहुल गांधी ने विपक्षी प्रतिनिधिमंडल के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात कर छात्रों पर हुई बर्बरता पर सदन में विशेष चर्चा कराने की लिखित मांग सौंपी थी. उसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने परीक्षा संकट और छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग को लेकर भारी हंगामा किया. नारेबाज़ी और पोस्टरों के बीच सदन की कार्यवाही को बार-बार स्थगित करना पड़ा. विपक्ष का आरोप है कि सरकार छात्रों से जुड़े इस गंभीर विषय पर संसद में बहस से भाग रही है.

मध्यप्रदेश में यूसीसी विधेयक पारित

उन्होंने सवाल उठाया कि अभी यूसीसी जरुरी है या फिर ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण? इधर विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी लगातार जारी रही, जिसके चलते अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही पहले 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी. बाद में सदन समवेत होने पर भी विपक्ष अपनी मांगों पर अड़ा रहा. विपक्ष के इस रवैये पर सत्ता पक्ष के सदस्य भी तैश में आ गए और वे भी जमकर नारेबाजी करने लगे, इस बीच अध्यक्ष ने विधेयक पर चर्चा के लिए भाजपा के वरिष्ठ सदस्य सीतासरन शर्मा का नाम पुकारा, इस बीच नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार आरएसएस का एजेंडा चला रही है. पक्ष- विपक्ष के हंगामें के चलते अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही एक बार फिर 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी. सदन फिर समवेत होने पर स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया. इस बीच शर्मा के अलावा सत्ता पक्ष से रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, हरदीप सिंह डंग, ओमप्रकाश धुर्वे ने विधेयक पर अपनी बात रखी, उसके बाद सीएम ने विधेयक पर सरकार का पक्ष रखा.